ओम् शान्ति 5-7-15 मधुबन

''रक्षाबन्धन के पावन पर्व पर क्लास में सुनाने के लिए मधुर याद पत्र''

प्राणप्यारे अव्यक्त बापदादा के अति लाडले, परमात्म स्नेह के सूत्र में पिरोये हुए, विश्व परिवर्तन के कार्य में उमंग-उत्साह से आगे बढ़ने वाले, मन-वचन-कर्म की सम्पूर्ण पवित्रता की धारणा से सदा सुख-शान्तिमय स्थिति का अनुभव करने वाले देश विदेश में बेहद सेवा के निमित्त बने हुए टीचर्स बहिनें तथा सर्व ब्राह्मण कुल भूषण भाई बहिनें,

ईश्वरीय स्नेह सम्पन्न मधुर याद के साथ रक्षाबन्धन के पावन पर्व की सबको बहुत-बहुत दिल से हार्दिक बंधाईयां।

संगमयुग का यह प्यारा-प्यारा पावन पर्व स्व-स्थिति को एकरस और श्रेष्ठ बनाने के लिए प्रतिज्ञाओं की स्मृति भी दिलाता तो अनेकानेक आत्माओं को विश्व परिवर्तन के महान कार्य में स्नेही-सहयोगी बनाने की प्रेरणा भी देता है। समय प्रमाण बापदादा का विशेष इशारा है बच्चे, अब मनन शक्ति द्वारा बुद्धि को शक्तिशाली बनाओ। रोज़ अमृतवेले अपने एक टाइटल को स्मृति में लाकर मनन करते रहो तो बुद्धि शक्तिशाली रहेगी। शक्तिशाली बुद्धि के ऊपर माया का वार नहीं हो सकता। साथ-साथ समय की फास्ट गति प्रमाण निमित्त, निर्मान और नि:स्वार्थ बन अब वृत्ति, वायब्रेशन और वाणी तीनों से शक्तिशाली सेवा के निमित्त बनो। स्व-सेवा और विश्व सेवा दोनों का बैलेन्स रखो। जब मन्सा और वाचा दोनों सेवायें इकट्ठी होंगी तब सफलता मिलेगी और मेहनत से बच जायेंगे। कोई भी सेवा पर जाते अपनी स्व-स्थिति को चेक करना, स्व-स्थिति में जरा भी हलचल न हो तो सफलता अवश्य मिलेगी।

तो बोलो, हमारे मीठे-मीठे स्नेही भाई बहिनें, इस बार रक्षाबंधन के पावन पर्व पर यही शुभ संकल्प लेंगे ना! मीठे बाबा ने तो हम सबको कर्मों की गुह्य गति समझाई है, इस कर्मक्षेत्र पर कर्म के बिना तो कोई रह नहीं सकता, लेकिन कर्म करते अब ऐसा कर्मयोगी बनना है, जो कोई भी कर्म विकर्म न बनें। जब अभी हम विकर्माजीत बनेंगे तब कर्मातीत बन सकेंगे। कर्मातीत माना विदेही और ट्रस्टी। ट्रस्टी तब रह सकते जब देह से न्यारे विदेही रहने का अभ्यास हो। बुद्धि कहाँ भी कर्म, संबंध में फंसी हुई न हो। साथ-साथ रिगार्ड देने का रिकॉर्ड भी अच्छे से अच्छा हो। तो बोलो, रक्षाबंधन पर इन्हीं शुभ और दृढ़ संकल्पों की राखी बांधेंगे ना।

अब तो यही शुभ संकल्प आ रहा है कि हर एक बाबा का बच्चा अपनी श्रेष्ठ स्थिति द्वारा विश्व सेवा के निमित्त ऐसा बनें जो चारों ओर बाबा की प्रत्यक्षता का नगाड़ा बजने लगे।

बाकी आज आप सबके पास अपने प्यारे मधुबन घर से बहुत-बहुत स्नेह भरी सुन्दर राखी आ रही है, जो रक्षाबन्धन के दिन सभी भाई बहिनों को दिखाना तथा क्लास में सजाकर रखना जी। सभी भाई बहिनें यही अनुभव करें कि प्यारे बापदादा और सभी दादियों की ओर से यह स्नेह-सूत्र हमारे लिए आया है। इसी शुभ संकल्प के साथ हर एक राखी बंधवाये तथा मुख मीठा करे। साथ-साथ यह स्नेह भरा पत्र भी क्लास में जरूर सुनाना जी। अच्छा - सभी को बहुत-बहुत याद...

ईश्वरीय सेवा में,
आपकी दैवी बहन,
B.K. Janki
(बी.के.जानकी)